කැලණිය විශ්වවිද්‍යාලය - ශ්‍රී ලංකාව

දුරස්ථ සහ අඛණ්ඩ අධ්‍යාපන කේන්ද්‍රය

ශාස්ත්‍රවේදී (සාමාන්‍ය) උපාධි තෘතීය පරීක්ෂණය (බාහිර) - 2011 (පැරණි නිර්දේශය)
(2014 - මැයි)

මානවශාස්ත්‍ර පීඨය

හින්දී - HIND E 3025

පුරාතන හින්දී සාහිත්‍ය ඉතිහාසය හා නූතන හින්දී පද්‍ය සාහිත්‍ය උද්ධෘත
(නියමිත හා අනියමිත)

ප්‍රශ්න සංඛ්‍යාව : 05 යි. කාලය : පැය 03 යි.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

---

01. निम्नलिखित पद्यांशों में से **<u>किन्हीं दो</u>** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। (20 अंक)

(क)

विजन–वन–वल्लरी पर
सोती थी सुहाग भरी–––स्नेह–स्वप्न–मग्न–––
अमल–कोमल–तनु–तरुणी–––जुही की कली,
दृग बंद किये, शिथिल–––पत्रांक में।
वासन्ती निशा थी;
विरह–विधुर–प्रिया संग छोड़
किसी दूर देश में था पवन
जिसे कहते हैं मलयानिल।
आयी याद बिछुड़न से मिलन की वह मधुर बात,
आयी याद चाँदनी की धुली हुई आधी रात,
आयी याद कान्ता की कम्पित कमनीय गात,
फिर क्या? पवन
उपवन–सर–सरित–गहन–गिरि कानन
कुंज–लता–पुजों को पारकर
पहुँचा जहाँ उसने की केलि
कली–खिली–साथ।

(ख) ये सब स्फुलिंग हैं मेरी
इस ज्वालामयी जलन के
कुछ शेष चिह्न हैं केवल
मेरे उस महा मिलन के।

जो घनीभूत पीड़ा थी
मस्तक में स्मृति–सी छायी
दुर्दिन में आँसू बनकर
वह आज बरसने आयी।

क्यों छलक रहा दुख मेरा
उषा की मृदु पलकों में
हाँ! उलझ रहा सुख मेरा
सन्ध्या की घन अलकों में।

(ग) और तब सम्मान से जाते गिने
नाम उनके, देश–मुख की लालिमा
है बची जिनके लुटे सिन्दूर से;
देश की इज्जत बचाने के लिए
या चढ़ा जिनने दिये निज लाल हैं।

ईश जानें, देश का लज्जा विषय
तत्त्व है कोई कि केवल आवरण
उस हलाहल –सी कुटिल द्रोहाग्नि का
जो कि जलती आ रही चिरकाल से
स्वार्थ–लोलुप सभ्यता के अग्रणी
नायकों के पेट में जठराग्नि–सी।

02. निम्नलिखित पद्यांश की भावार्थ सहित व्याख्या कीजिए। (20 अंक)

कृषक अन्न उपजाते, जिस पर
निर्भर है सबका जीवन।
वे पपलनकर्ता हम सबके
उनका आभारी जन—जन।।

उन्होंने सीखा मेहनत करना
बंजर भूमि करते उर्वर।
मौसम हो प्रतिकूल भले ही
उन्हें नहीं है उसका डर।।

जाड़े की ठंडक, गरमी का
ताप वे सह लेते ।
लेते नहीं किसी से, सबको
हाथ उठाकर दे देते।।

वे धरती के पुत्र, और
धरती है उनकी माता।
वे ही सच्चे अर्थों में हैं
जन—जीवन के उद्‌गाता।।

03. 'समाज में व्याप्त आर्थिक विषमताओं के विरुद्‌ध विद्रोह का दृढ़ स्वर निराला के काव्यों में उभर आता है।' सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। (20 अंक)

04. (क) '**आँसू** काव्य में विरह का मार्मिक वर्णन निरूपित है।' सोदाहरण इस कथन की पुष्टि कीजिए। (20 अंक)

अथवा

(ख) '**कुरुक्षेत्र** काव्य में युद्ध का यथार्थ वर्णन किया गया है।' पठित अंश के आधार पर इस कथन की समीक्षा कीजिए। (20 अंक)

05. हिंदी साहित्य की भक्ति युगीन साहित्यिक धाराओं का परिचय दीजिए। (20 अंक)

*****